संक्षेप में

दवा कंपनियों ने अमेरिका में उत्पाद वापस मंगाए

दवा विनिर्माता अरबिंदो फार्मा, ग्लेनमार्क और जायडस ने विनिर्माण संबंधी खामियों के कारण अमेरिकी बाजार में कुछ उत्पादों को वापस मंगाया है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) की हालिया प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार हैदराबाद स्थित दवा निर्माता की अनुषंगी कंपनी अरबिंदो फार्मा यूएसए इंक सिनाकैल्सेट गोलियों की एक लाख से अधिक बोतलें वापस मंगा रही है। इसी प्रकार ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स की अमेरिकी अनुषंगी कंपनी अमेरिकी बाजार से डिल्टियाजेम हाइड्रोक्लोराइड कैप्सूल की लगभग 90,000 बोतलें वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए ने आगे कहा कि जायडस फार्मास्यूटिकल्स (यूएसए) इंक लेबलिंग त्रुटि के कारण विलंबित-रिलीज़ ओरल सस्पेंशन (40 मिलीग्राम) के लिए एसोमेप्राजोल मैग्नीशियम के 4,404 डिब्बे वापस बुला रहा है। इस दवा का उपयोग पेट और अन्नप्रणाली की कुछ समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है। *भाषा*

एनसीएलएटी ने खारिज की ईआईएच की याचिका

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने गोल्डन जुबली होटल्स की बिक्री को मंजूरी देने वाले एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ आतिथ्य क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ईआईएच लिमिटेड की याचिका खारिज कर दी है। अपील न्यायाधिकरण ने सिंगापुर स्थित इकाई की बोली को अनुमति देते हुए एनसीएलटी के पहले के फैसले को बरकरार रखा है। एनसीएलएटी ने आदेश में कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के बहुमत के साथ व्यावसायिक फैसले पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। एनसीएलएटी के दो सदस्यीय पीठ ने कहा, 'इस हालिया फैसले से सीओसी के वाणिज्यिक विवेक में दृढ़ विश्वास का पता चलता है और इसमें किसी भी न्यायिक हस्तक्षेप की बहुत कम गुंजाइश है।' *भाषा*

एनबीसीसी का 1 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य

सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी लिमिटेड ने मौजूदा 84,400 करोड़ रुपये के एकीकृत ऑर्डर बुक को बढ़ाकर अगले साल मार्च तक एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी), इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) और रियल एस्टेट कारोबार में शामिल है और पूरे भारत में कारोबार का विस्तार करना चाहती है। एनबीसीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक केपी महादेवस्वामी ने निवेशकों से कहा, 'एनबीसीसी के पास करीब 84,000 करोड़ रुपये की ऑर्डर बुक है। हम चालू वित्त वर्ष के अंत तक इसे बढ़ाकर एक लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य बना रहे हैं।' *भाषा*

कोल इंडिया : सीएसआर व्यय 5,570 करोड़ रु पार

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने पिछले एक दशक में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों पर 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। कोल इंडिया के चेयरमैन पी एम प्रसाद ने कहा कि रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, खेल और महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। *भाषा*

निवेश और अधिग्रहण के लिहाज से सबसे व्यस्त रहा साल 2024

सीमेंट : 10 से ज्यादा हुए सौदे

अमृता पिल्लै
मुंबई, 15 दिसंबर

यह साल खत्म होने की देहरी पर है। आंकड़ों से पता चलता है कि निवेश एवं अधिग्रहण के लिहाज से सीमेंट क्षेत्र के लिए यह सबसे व्यस्त साल रहा। संकलित आंकड़े दर्शाते हैं कि इस साल सीमेंट क्षेत्र में दस से अधिक सौदे दर्ज किए गए हैं। भले ही सीमेंट की कीमतों पर दबाव बरकरार हो, लेकिन इनमें से अधिकतर सौदों ने शीर्ष चार की सीमेंट क्षेत्र में परिसंपत्तियां बढ़ा दी हैं।

ब्लूमबर्ग के आंकड़े बताते हैं कि इस साल 11 सौदों के जरिये सीमेंट परिसंपत्तियों ने अधिग्रहण और नई रकम आकर्षित की। यह 2014 के बाद से सर्वाधिक सौदों वाला साल रहा। मूल्य के लिहाज से घोषित निवेश का कुल मूल्य 3.5 अरब डॉलर से अधिक था। केयरएज रेटिंग्स में निदेशक रवलीन सेठी ने कहा, 'उद्योग में विलय-अधिग्रहण गतिविधियों उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया जा रहा है जिससे मजबूत एकीकरण हो रहा है। अप्रैल 2014 के बाद से उद्योग में करीब 20.4 करोड़ टन क्षमता में मालिकाना बदलाव हुआ है। और इसमें से भी करीब 12.5 करोड़ टन के सौदे वित्त वर्ष 2023 से नवंबर 2024 के बीच हुए हैं।'

निवेश में दिखा दम

- साल 2024 में निवेश और अधिग्रहण के साथ बीते 10 साल में इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा सौदे हुए
- इस साल 11 सौदों के जरिये सीमेंट परिसंपत्तियों में अधिग्रहण हुआ और नई रकम आकर्षित की गई
- मूल्य के लिहाज से घोषित निवेश का मूल्य 3.5 अरब डॉलर से अधिक रहा
- अप्रैल 2014 के बाद से उद्योग में 20.4 करोड़ टन क्षमता में मालिकाना बदलाव हुआ, 12.5 करोड़ टन के सौदे वित्त वर्ष 23 के नवंबर तक हुए

इन सौदों को सीमेंट की कमजोर कीमतें और साल 2024 की शुरुआत में चुनाव और मॉनसून के दौरान कमजोर मांग के बीच अंतिम रूप दिया गया। साल के अधिकांश समय सीमेंट कंपनियां ज्यादा कीमतें नहीं बढ़ा पाईं और ऐसा करने के उनके कई प्रयास विफल भी हुए। नुवामा के विश्लेषकों ने 9 दिसंबर की अपनी रिपोर्ट में कहा, 'हमारा मानना है कि कीमतें निचले स्तर पर आ गई हैं। मगर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण हाल के समय में कीमतों में भारी वृद्धि की गुंजाइश नहीं दिख रही है।' ब्रोकरेज फर्म का अनुमान है कि वित्त वर्ष 25 में 4 से 5 फीसदी की मात्रात्मक वृद्धि होगी जो वित्त वर्ष 2024 में दर्ज की गई 9 फीसदी वृद्धि के मुकाबले काफी कम है। इस साल भारत में हुए कुछ प्रमुख सौदों में अल्ट्राटेक सीमेंट और अदाणी समूह वाली अंबुजा सीमेंट्स और दक्षिण के बाजार में केंद्रित थे। सेठी ने कहा, 'बीते 5 वर्षों में अधिकतर ऋणग्रस्त परिसंपत्तियों का अधिग्रहण किया गया है। लेकिन हमें एकीकरण में तेजी की उम्मीद है क्योंकि अपेक्षाकृत कमजोर मझोले आकार और छोटी परिसंपत्तियों पर ध्यान दिया जाएगा। सभी बाजारों में से हमें उम्मीद है कि दक्षिण भारत अभी भी एकीकरण के लिए बड़ा आधार दे रहा है। पन्ना, केसोराम, इंडिया सीमेंट्स और ओरिएंट सीमेंट्स के बारे में की गई घोषणाओं की तुलना में दक्षिण का बाजार अन्य इलाकों के मुकाबले सबसे बिखरा हुआ बाजार है।'

प्राकृतिक रबर के विकल्प तलाश रही अपोलो टायर्स

अंजलि सिंह
मुंबई, 15 दिसंबर

देश के टायर विनिर्माताओं को चूंकि लगातार कच्चे माल की बढ़ती लागत की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए अपोलो टायर्स बढ़ती लागत में कमी करने और पर्यावरण संबंधी असर कम करने के लिए प्राकृतिक रबर के विकल्प तलाश रही है।

कंपनी उन नवीन, जैव आधारित सामग्रियों का विकास करने के लिए अनुसंधान संस्थानों के साथ गठजोड़ कर रही है, जिनका इस्तेमाल टायर उत्पादन में किया जा सके। इसके अलावा अपोलो टायर्स ने टायरोमर के साथ साझेदारी की है ताकि अपनी उत्पादन प्रक्रिया में जीवन-काल समाप्त कर चुके टायरों की रिसाइकल्ड रबर शामिल की जा सके। यह रणनीतिक कदम कंपनी के पर्यावरण लक्ष्यों के अनुरूप है।

अपोलो टायर्स के मुख्य वित्तीय अधिकारी गौरव कुमार ने कहा, 'हम हरित भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य साल 2030 तक अपनी 40 प्रतिशत सामग्री नवीकरणीय या रिसाकल्ड स्रोतों से हासिल करना है।'

प्राकृतिक रबर के दामों में निरंतर उतार-चढ़ाव के साथ-साथ देश में रबर की कमी से विनिर्माताओं पर दबाव पड़ा है। प्राकृतिक रबर की कीमतों में बड़ा उतार-चढ़ाव हो रहा है और उद्योग घरेलू स्तर पर लगभग 5,50,000 टन की कमी से जूझ रहा है।

हालांकि अपोलो और अन्य टायर विनिर्माता बढ़ती लागत को कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं, लेकिन कुल मिलाकर उद्योग के सामने खासी चुनौतियां हैं।

ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष शशि सिंह ने कहा, 'प्राकृतिक रबर की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव हुआ है, जिसमें 13 प्रतिशत की कमी के बाद 55 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।' उन्होंने कहा, 'इस उतार-चढ़ाव के साथ-साथ भारत की आयातित रबर पर निर्भरता की वजह से लागत का बड़ा दबाव पड़ा और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान पैदा हुए।'

यूपीआई की सफलता के बाद आगे की तैयारी

सुपर.मनी करेगी ऋण और धन प्रबंधन की पेशकश का विस्तार

अजिंक्य कावले
मुंबई, 15 दिसंबर

फ्लिपकार्ट के निवेश वाली सुपर डॉट मनी जुलाई में अपने परिचालन की शुरुआत के बाद ऋण और धन प्रबंधन में अपनी पेशकशों का दायरा बढ़ाने की योजना बना रही है। बेंगलूरु की यह फिनटेक कंपनी अगले कैलेंडर वर्ष (2025) की पहली छमाही में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) पर ऋण, असुरक्षित क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन जैसी क्रेडिट योजनाएं पेश करने की दिशा में बढ़ रही है।

सुपर डॉट मनी के संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी प्रकाश सिकारिया ने कहा, 'अगले कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में आपको यूपीआई पर क्रेडिट से संबंधित ट्रांजेक्शन क्रेडिट की योजनाएं आकार लेते हुए दिखाई देंगी। इस साल दिसंबर से जनवरी के बीच असुरक्षित क्रेडिट कार्ड लाने की योजना है। साल 2025 की पहली तिमाही में ऐप पर पर्सनल लोन की योजनाएं मिलने लगेंगी।'

उन्होंने कहा कि कंपनी अपने ग्राहकों को पर्सनल लोन का विस्तार करने के लिए साल 2025 के मध्य तक 10 से 15 बैंकों के साथ साझेदारी करेगी। फिलहाल कंपनी का उपयोगकर्ता आधार 70 लाख से अधिक है। यूपीआई के बड़े परिदृश्य में कंपनी की वृद्धि के कारण क्रेडिट पेशकशों का विस्तार करने का भरोसा मिला है।

नवंबर में 7.8 करोड़ से अधिक लेनदेन करते हुए यूपीआई के अग्रणी प्लेटफॉर्म पर फिनटेक कंपनी इस क्षेत्र की छठी सबसे बड़ी तीसरे पक्ष वाली ऐप्लिकेशन प्रदाता (टीपीएपी) बन गई है। पिछले महीने यूपीआई लेनदेन की मात्रा के लिहाज से यह ऐप 12वीं सबसे बड़ी भागीदार थी।

नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों से पता चलता है कि नवी एक अन्य ऐसी टीपीएपी है जो अपने प्लेटफॉर्म पर अधिक यूपीआई वॉल्यूम दर्ज करने में सक्षम रही और चौथी सबसे बड़ी भागीदार बन गई है।

अलबत्ता असुरक्षित ऋण में यह विस्तार ऐसे समय किया जा रहा है, जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डीएमआई फाइनैंस और नवी फिनसर्व जैसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के खिलाफ कार्रवाई की है। पिछले साल बैंकिंग नियामक ने असुरक्षित पर्सनल लोन के मामले में जोखिम भार बढ़ा दिया था, जिससे इस क्षेत्र की वृद्धि धीमी हो गई।

सिकारिया ने कहा, 'फिनटेक में अब एमवीपी (मिनिमम वाएबल प्रोडक्ट) की कोई अवधारणा नहीं है क्योंकि बदलते परिप्रेक्ष्य के साथ आपको ढलना होगा, ग्राहकों को त्रुटिहीन सेवा देनी होगी और बैकअप रखना होगा। जब मैंने 10 से 15 बैंकों के साथ भागीदारी की बात कही, तो इसका मतलब है कि हम कई बैंकों के साथ काम कर रहे हैं। भले ही किसी एक पर नियामकीय कार्रवाई हो, लेकिन आपका कारोबार कम नहीं होता है।_'

कंपनी ने पिछले महीने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सावधि जमा शुरू करते हुए धन प्रबंधन क्षेत्र में प्रवेश किया है। संस्थापक अगले साल के मध्य तक म्युचुअल फंड जैसी अन्य पेशकश शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

अकासा की जांच में मिली खामी

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 15 दिसंबर

नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस साल अगस्त में बेंगलूरु हवाई अड्डे पर की गई मौका जांच के दौरान 'खराब रखरखाव मानकों' और 'खामियां' पाए जाने के बाद अकासा एयर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने बिजनेस स्टैंडर्ड को यह जानकारी दी। मौके पर जांच के दौरान नियामक ने पाया कि विमान कंपनी के बी737 मैक्स विमानों में से एक पर विमान का रखरखाव करने वाले इंजीनियर ने दाएं नोज व्हील पर टायर प्रेशर इंडिकेटर सिस्टम (टीपीआईएस) ठीक से नहीं लगाया था।

अधिकारियों के अनुसार वह दाएं हाथ के नोज व्हील पर टीपीआईएस-टिप्स सेंसर की 'पॉजिटिव लॉकिंग' करने में विफल रहा, लेकिन फिर भी उसने विमान को उड़ान के लिए फिट प्रमाणित कर दिया और इसे सेवा में वापस आने की अनुमति मिल गई। डीजीसीए के अनुसार ये खामियां इंजीनियर के 'खराब रखरखाव मानकों और प्रमाणन के कारण हुई थीं।' डीजीसीए ने कहा कि इस खामी से विमान नियम, 1937 की धारा 61 का उल्लंघन हुआ है।

बताना होगा कारण

- डीजीसीए ने जारी किया कारण बताओ नोटिस
- जांच के दौरान पाया गया कि बी737 मैक्स विमान के दाएं नोज व्हील पर टायर प्रेशर इंडिकेटर सिस्टम ठीक से नहीं लगाया था
- फिर भी विमान को उड़ान के लिए फिट बता दिया गया

इन नियमों के अनुसार अगर कोई लाइसेंसधारी इंजीनियर निर्दिष्ट रखरखावों को सुनिश्चित किए बिना विमान को सेवा में लेने का अनुमति प्रमाणपत्र जारी करता है, तो उसे चेतावनी, फटकार अथवा उसके लाइसेंस के निलंबन या स्थायी रूप से रद्द किए जाने जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। अकासा एयर ने इस मामले पर बयान के लिए बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

अधिकारियों के अनुसार विमान कंपनी के इंजीनियर को 9 दिसंबर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और उसे अपना जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। उसका जवाब मिलने के बाद ही नियामक अपना अंतिम आदेश जारी करेगा।

मौके पर जांच से उत्पन्न यह ऐसा मसला है, जब हाल में नियामक के साथ विमानन कंपनी को दूसरा बार टकराव का सामना करना पड़ा है। 10 दिसंबर को डीजीसीए ने अकासा एयर को निर्देश दिया कि वह कोहरे से प्रभावित सभी छह प्रमुख हवाई अड्डों पर केवल कैट-3 प्रशिक्षित पायलटों को ही तैनात करने के उसके आदेश का तुरंत पालन करे, जबकि वह विमान कंपनी के कुछ छूट के अनुरोधों की समीक्षा भी कर रहा है।

सूत्रों ने बताया कि अकासा एयर ने 29 नवंबर को विमानन नियामक से अनुरोध किया था कि वह कोहरे से प्रभावित दो प्रमुख हवाई अड्डों - कोलकाता और बेंगलूरु से आने-जाने वाली उड़ानों पर कैट-3 में प्रशिक्षित पायलटों की तैनात में छूट प्रदान करे, क्योंकि उसके रोस्टर में ऐसे पायलटों की कमी है।

शिवालिक स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः 501, सालकॉन ऑरम, जसोला जिला केंद्र, नई दिल्ली – 110025
सीआईएनः U65900DL2020PLC366027

नीलामी सूचना

शिवालिक स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड के निम्नलिखित उधारकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि बैंक द्वारा जारी व्यक्तिगत नोटिस सहित विभिन्न मांगों और नोटिसों के बावजूद उनके द्वारा बैंक से लिए गए स्वर्ण ऋण को समायोजित नहीं किया गया है। सभी उधारकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि बैंक के पास सुरक्षा के रूप में रखे गए सोने के आभूषणों की नीलामी करने का निर्णय लिया गया है और तदनुसार 30 दिसंबर 2024 को उसी शाखा परिसर में दोपहर 03:00 बजे नीलामी की तारीख तय की गई है, जहाँ से ऋण लिया गया था। नीलामी की शर्तों व नियमों के अनुसार उधारकर्ता, खाताधारक और आम जनता सहित सभी लोग इस नीलामी में भाग ले सकते हैं।

क्र. सं.	शाखा	खाता नं.	खाता धारक का नाम	पिता/पति का नाम	पता	खाता खोलने की तिथि	भुगतान
1.	इंदौर	101041512360	ज्योति	पत्नी शैलेन्द्र सिंह	125, नरसिंह की चाल पाटनीपुरा, इंदौर मध्य प्रदेश 452001	25-11-2022	36,909.55
2.	इंदौर	101042518418	प्रतीक खंडेलवाल	पुत्र कैलाश खंडेलवाल	16, धार रोड, सिरपुर, इंदौर मध्य प्रदेश 452002	17-10-2023	71,460.79
3.	इंदौर	101042520303	दीपक वाघमारे	पुत्र अनिल वाघमारे	95 नंदनवा 104, श्री कृष्णा एवेन्यू फेज 3 इंदौर मध्य प्रदेश 452001	08-08-2024	148,581.30
4.	इंदौर	101042520091	किशन खेमानी	पुत्र-घनश्याम खेमानी	खंडवा रोड, मछली फार्म लिंबोदी इंदौर मध्य प्रदेश 452001	27-05-2024	209,579.31
5.	इंदौर	101042519913	प्रवीण मिश्रा	पुत्र रामायण प्रसाद	ए.बी. रोड तलावली चंदा, इंदौर मध्य प्रदेश 453771	11-03-2024	76,800.71
6.	इंदौर	101042520170	बसंती बाई	पुत्र कैलाश	पालदा, शिव पार्वती नगर इंदौर मध्य प्रदेश 452001	18-06-2024	39,994.79
7.	इंदौर	101042520120	रोहित गोयल	पुत्र छोगालाल गोयल	73 चौहान नगर, वाटर टैंक इंदौर मध्य प्रदेश 452001	04-06-2024	148,242.27
8.	इंदौर	101042520165	भावेश सोनी	पुत्र ललित	मकान नंबर 188, वार्ड नंबर 19 बजरंग नगर देवास मध्य प्रदेश 455001	18-06-2024	217,191.64
9.	इंदौर	101042520175	सागर लश्करी	पुत्र सत्यनारायण	109, दुबे का बगीचा इंदौर मध्य प्रदेश 452003	20-06-2024	138,509.31
10.	इंदौर	101042520217	अनिल शर्मा	पुत्र-राधेश्याम शर्मा	259, जगजीवन राम नगर इंदौर मध्य प्रदेश 452011	04-07-2024	192,573.62
11.	इंदौर	101042520224	रीना बामनिया	पुत्र धन्नालाल	342, खंडवा रोड, रामामंडल इंदौर मध्य प्रदेश 452020	09-07-2024	103,435.44
12.	इंदौर	101042520251	सागर वर्मा	पुत्र दिनेश वर्मा	माताजी के मंदिर के पास, 456/8 समाजवादी इंदिरा नगर इंदौर मध्य प्रदेश 452002	19-07-2024	213,326.80
13.	इंदौर	101042520253	श्रीकांत वर्मा	दिनेश वर्मा पुत्र	456/8, समाजवादी इंदिरा नगर इंदौर मध्य प्रदेश 452009	19-07-2024	211,685.83
14.	इन्दिरापुरम	101942518569	गिर्राज रजक	पुत्र ब्रजेश	हनुमान बंध, गली नंबर-03, पंचमुखी हनुमान जी गिर्द के पास, तारागंज ग्वालियर मध्य प्रदेश 474001	29-07-2024	33,270.52

नीलामी की तिथि 30 दिसंबर 2024 को 03:00 बजे है।

बैंक किसी भी खाते को नीलामी से हटाने या बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

प्राधिकृत अधिकारी, शिवालिक स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड

ऑटो एक्सपो में होगी रिकॉर्ड भागीदारी

वाहन प्रदर्शनी (ऑटो एक्सपो) के आगामी संस्करण में 34 वाहन विनिर्माता भाग लेंगे, जो 1986 में इस प्रमुख आयोजन के पहले संस्करण के बाद से अब तक प्रतिभागियों की सबसे बड़ी संख्या होगी। एक्मा और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ साझेदारी में वाहन विनिर्माताओं का संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) भारत मंडपम में 17-22 जनवरी तक 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025' के तत्वावधान में वाहन प्रदर्शनी के 17वें संस्करण 'द मोटर शो' का आयोजन करेगा। सायम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, 'इस प्रदर्शनी में लगभग 34 वाहन विनिर्माता भाग लेंगे और विभिन्न पावरट्रेन से संबंधित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेंगे।'

उन्होंने कहा कि यह इस आयोजन के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक भागीदारी होगी। उन्होंने बताया कि आयोजन में भाग लेने वाली वाहन कंपनियों में टाटा मोटर्स, मारुति सुजूकी, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, ह्युंडै मोटर इंडिया, किया मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर और स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया शामिल हैं। इस प्रदर्शनी में बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, पॉर्श इंडिया और बीवाईडी जैसी लक्जरी कार विनिर्माता कंपनियां भी अपने उत्पाद प्रदर्शित करेंगी। दोपहिया वाहन खंड में टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, होंडा मोटरसाइकिल ऐंड स्कूटर इंडिया, सुजूकी मोटरसाइकिल और इंडिया यामाहा की भागीदारी होगी। *भाषा*

जनवरी के अंत तक पूरा होगा रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण

पृष्ठ 1 का शेष

अशोक हिंदुजा ने कहा, 'मौजूदा प्रबंधन अच्छा काम कर रहा है और इसे बदलने की जरूरत नहीं है। अगर कंपनी 3-4 साल से मुनाफा कमा रही है तो इसका मतलब है कि प्रबंधन अच्छा कर रहा है।'

हालांकि रिलायंस कैपिटल के बोर्ड में बदलाव होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने कंपनी के लिए 5 निदेशकों को मंजूरी दी थी जिनमें एम हार्डिंग जोन, अरुण तिवारी, शरदचंद्र जरेगावकर, भूमिका बत्रा और अमर चिंतापंथ शामिल हैं।

कारोबार बढ़ाने के बारे में हिंदुजा ने कहा, 'इन संस्थाओं के पास वर्तमान में कोई बैंकएश्योरेंस गठजोड़ नहीं है, इसलिए पहला कदम बैंकएश्योरेंस साझेदारी करना होगा। हालांकि अधिग्रहण पूरा होने तक हम किसी भी समझौते को अंतिम रूप नहीं दे सकते। अधिग्रहण के बाद उम्मीद है कि हम इस वित्त वर्ष में मार्च से पहले पॉलिसीधारकों को सेवा में सुधार करने के लिए बैंकएश्योरेंस गठजोड़ कर लेंगे और डिजिटल सुविधा भी शुरू कर देंगे।'

आईआईएचएल ने रिलायंस कैपिटल की विभिन्न सहायक कंपनियों में रणनीतिक साझेदार लाने का विकल्प खुला रखा है लेकिन यह अपनी बहुलांश हिस्सेदारी को कम नहीं करेगा और केवल अल्पांश हिस्सेदारी बेच सकती है। हिंदुजा ने कहा, 'मुझे आईआईएचएल में अपने शेयरधारकों के हितों को देखना है, इसलिए कोई भी निवेशक जो अल्पांश निवेशक के रूप में आना चाहे, उसका स्वागत है।' उन्होंने कहा कि मॉरीशस में होल्डिंग कंपनी में अल्पांश शेयरधारक के रूप में निवेश करने के लिए कई कंपनियां इच्छुक हैं।

नवंबर 2021 में भारतीय रिजर्व बैंक ने कंपनी संचालन में खामियां और भुगतान में चूक करने के कारण अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कैपटल के बोर्ड को निलंबित कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने नागेश्वर राव को रिलायंस कैपिटल का प्रशासक नियुक्त किया था, जिन्होंने फरवरी 2022 में रिलायंस कैपिटल के अधिग्रहण के वास्ते बोलियां आमंत्रित की थी। रिलायंस कैपिटल पर ऋणदाताओं ने 37,744 करोड़ रुपये का दावा किया था जिनमें से 25,345 करोड़ रुपये का दावा स्वीकार किया गया था। चार आवेदकों ने समाधान योजना के साथ बोली लगाई थी। लेकिन ऋणदाताओं की समिति ने सभी चारों बोलियों को खारिज कर दिया था। बाद में आईआईएचएल और टॉरेंट ने बोली में हिस्सा लिया और बाजी आईआईएचएल के हाथ लगी।

भोपाल संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा दैनिक भास्कर, प्लॉट नं. 10 व 11, सेक्टर बी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल, म. प्र. 462023 से मुद्रित एवं सी/ओ अशोक कुमार जैन, शॉप नं. 1, पटेल मार्केट, संगम टॉकीज के समीप, भोपाल- 462001 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल\ आरएनआई नं. MPHIN/2008/24603 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स - 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं